PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

वचन

- किसी वस्तु , व्यक्ति की संख्या का बोध कराने का कार्य वचन के द्वारा किया जाता है।

वचन की परिभाषा

- शब्दों के उस रूप को जो किसी वस्तु के एक अथवा अनेक होने का बोध कराता है , उसे वचन कहते हैं। जिन शब्दों के माध्यम से संख्या की प्रतीत होती है , वहां वचन माना जाता है। वचन का अर्थ है बोली तथा कथन।
- "शब्दों से संख्या का बोध कराना ही वचन है।"

वचन के दो भेद हैं –

1. एकवचन
2. बहुवचन

1. एकवचन – शब्द के जिस रूप से एक वस्तु या व्यक्ति का बोध होता है , उसे वचन कहते हैं।
   जैसे –
   मेज , कुर्सी , राम , नदी , पर्वत आदि।

2. बहुवचन – जिन शब्दों से बहुत सी वस्तुओं का बोध होता है , उसे बहुवचन कहा जाता है
   जैसे –
   कुर्सियां , पक्षियों , जानवरों , लड़कों आदि।

- नोट - निर्विभक्तिक रूप के आधार पर लड़का का बहुवचन 'लड़के' होता है, जबकि विभक्तिसहित लड़के का बहुवचन रूप 'लड़कों' होता है।

- हिंदी में सदैव एकवचन में प्रयुक्त होने वाले शब्द - सोना, चांदी, लोहा, स्टील, पानी, दूध, जनता, आग, आकाश, घी, सत्य, झूठ, मिठास, प्रेम, मोह, सामान, ताश, सहायता, तेल, वर्षा, जल, क्रोध, क्षमा, छाया, हवा, दर्शन, प्राण, आँसू, बाल, लोग, हस्ताक्षर

- हिंदी में सदा बहुवचन में प्रयुक्त होने वाले शब्द – आंसू, भाग्य, लोग, होश, आदरणीय, चाल, दर्शन, दाम, केश, हस्ताक्षर, समाचार, प्रजा, प्राण, बाल, रूम, पानी, तेल, घी, दूध, आकाश, बारिश, जनता

- अपवाद - कुछ ऐसी भी पुल्लिंग संज्ञाएँ हैं जिनके रूप दोनों वचनों में एक से रहते हैं जैसे- मामा, नाना, बाबा, दादा, कर्त्ता, दाता, पिता, योद्धा, युवा, आत्मा, देवता, जमाता, आदि

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

वचन की पहचान कैसे करें

1 वचन की पहचान संज्ञा अथवा सर्वनाम के द्वारा

	एकवचन	बहुवचन
1.	मैं विद्यालय जाता हूँ।	हम विद्यालय जाते हैं।
2.	वह खेलता है।	वे खेलते हैं।
3.	भैंस चारा खा रही हैं।	भैंसें चारा खा रही है।

2 क्रिया के द्वारा वचन की पहचान करना।

	एकवचन	बहुवचन
1.	बालक भाग रहा है	बालक भाग रहे हैं
2.	शेर सो रहा है	शेर सो रहे हैं
3.	लड़का गाना गा रहा है	लड़के गाना गा रहे हैं
4.	कबूतर उड़ रहा है	कबूतर उड़ रहे हैं

3 एकवचन के बदले बहुवचन का प्रयोग

(क) आदर के लिए भी बहुवचन का प्रयोग होता है जैसे –

- श्री कृष्णा दयालु थे
- भीष्म पितामह ब्रह्मचारी थे
- महाराणा प्रताप सच्चे वीर थे
- राम मर्यादा पुरुषोत्तम थे

(ख) बड़प्पन के लिए भी कई बार वे , हम आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है जैसे –

- मंत्री जी ने कहा कल हम आपकी समस्या को सुनेंगे।
- वे लोग कल दिल्ली जाएंगे।
- कल दादा जी से मुलाकात हुई वह अत्यधिक प्रसन्न हुए।

बहुवचन बनाने का सरल नियम

- अकारांत में पुल्लिंग ' आ ' को ' ए ' कर दिया जाए।

एकवचन	बहुवचन
बेटा	बेटे
बच्चा	बच्चे
लड़का	लड़के

रुपया	रुपए
कौआ	कौए
घोड़ा	घोड़े
कुत्ता	कुत्ते
गधा	गधे
तरबूजा	तरबूजे
केला	केले

YouTube - PAONE9090 Telegram - PAONE9090 Twitter - PAONE9090 WhatsApp – 90-2696-9090

PDF प्राप्त करने के लिए Telegram channel link –https://t.me/paonehmr9090

- इकारांत को ईकारांत करके 'याँ 'जोड़ने पर बहुवचन बन जाता है

एकवचन	बहुवचन
गति	गतियां
नारी	नारियां
नीति	नीतियां
डाली	डालियां
थाली	थालियां
ताली	तालियां
मक्खी	मक्खियां
दासी	दासियाँ
सहेली	सहेलियां
नदी	नदियां

- अकारांत स्त्रीलिंग से 'आ 'के बाद 'एँ 'जोड़ने पर बहुवचन बन जाता है।

एकवचन	बहुवचन
माला	मालाएं
कन्या	कन्याएं
सभा	सभाएं
कविता	कविताएं
कला	कलाएं
बाला	बालाएं
सेना	सेनाएं
शीला	शिलाएं
कथा	कथाएं

- सभी अकारांत स्त्रीलिंग शब्दों में 'अ 'को 'एँ 'करके बहुवचन बनाया जाता है।

एकवचन	बहुवचन
पुस्तक	पुस्तकें
खेल	खेलें
गाय	गायें
भैंस	भैंसें
आंख	आंखें
बात	बातें
सड़क	सड़कें
बहन	बहनें

- अंत में 'या 'शब्द आने वाले शब्द को 'यां 'लिखने पर वहुवचन बन जाता है।

एकवचन	बहुवचन
खटिया	खटियाँ
चुहिया	चुहियाँ
बिटिया	बिटियाँ
गुड़िया	गुड़ियाँ
चिड़िया	चिड़ियाँ

- सम्बोधन में प्रायः शब्दों में 'ओ 'जोड़ने पर बहुवचन बन जाता है।

एकवचन	बहुवचन
लड़की को बुलाओ	लड़कों को बुलाओ
बच्चे से पूछ लो	बच्चों से पूछ लो
नदी का जल ठण्डा है	नदियों का जल ठण्डा है
भैया मेहनत करो	भाइयों मेहनत करो

- एक वचन शब्दों में गण, दल , जन , शब्द जोड़ने से संख्या बहुवचन हो जाता है।

एकवचन	बहुवचन
शिशु	शिशुवृंद
मित्र	मित्र वर्ग
गरीब	गरीब लोग
गुरु	गुरु जन
श्रोता	श्रोता गण
सेना	सेनादल